चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 24 सितंबर 2026, अंक –365.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

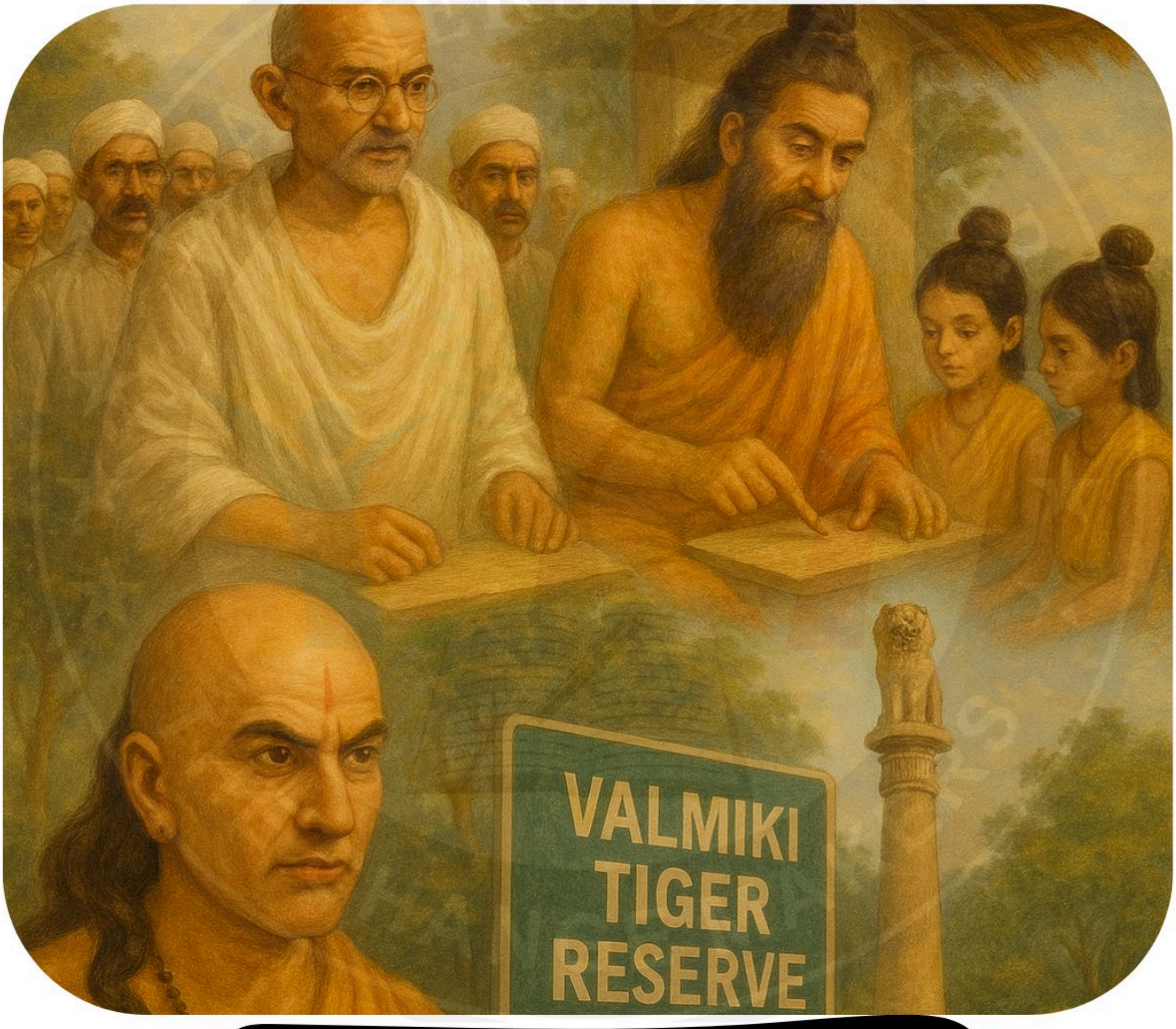

"विश्वास के बिना कोई धर्म नहीं।"

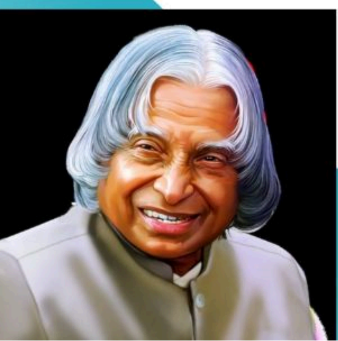

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन...

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

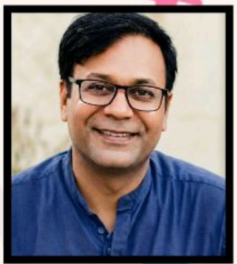

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. आयरलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: डबलिन
प्रश्न 2. ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन थीं?
उत्तर: पी. वी. सिंधु
प्रश्न 3. 'सोहराय चित्रकला' मुख्यतः किस राज्य की प्रसिद्ध लोककला है?
उत्तर: झारखंड
प्रश्न 4. 7/8 में अंश और हर का योग कितना होगा?
उत्तर: 15
प्रश्न 5. रोहतासगढ़ किला बिहार के किस जिले में स्थित है?
उत्तर: रोहतास
प्रश्न 6. तारामछली (Starfish) किस समूह का जलीय जीव है?
उत्तर: एकाइनोडर्म
प्रश्न 7. वेल्क्रो (Velcro) के आविष्कार से किसका नाम जुड़ा है?
उत्तर: जॉर्ज डी मेस्ट्रल
प्रश्न 8. भारतीय संविधान को संविधान सभा ने किस तारीख को अंगीकार किया था?
उत्तर: 26 नवंबर 1949
प्रश्न 9. 'जो क्षमा के योग्य हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: क्षम्य
प्रश्न 10. आटे में मिले भूसी के टुकड़ों को अलग करने के लिए किस उपकरण का प्रयोग किया जाता है?
उत्तर: छलनी

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Police - पुलिस - पुलिस
2️⃣ Soldier - सोल्जर - सैनिक
3️⃣ Officer - ऑफिसर - अधिकारी
4️⃣ Judge - जज - न्यायाधीश
5️⃣ Minister - मिनिस्टर - मंत्री
6️⃣ Citizen - सिटिज़न - नागरिक
7️⃣ Leader - लीडर - नेता

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “When am I going to + V1?”
(मैं ... कब करने वाला/वाली हूँ?)

मैं यह काम कब करने वाला/वाली हूँ? – When am I going to do this work?
मैं अपने मित्र से कब मिलने वाला/वाली हूँ? – When am I going to meet my friend?
मैं यह किताब कब पढ़ने वाला/वाली हूँ? – When am I going to read this book?
मैं अपना कमरा कब साफ करने वाला/वाली हूँ? – When am I going to clean my room?
मैं गाँव कब जाने वाला/वाली हूँ? – When am I going to go to the village?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 24 सितंबर 1932 को पुणे की यरवदा जेल में महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के मध्य दलित वर्गों के चुनावी प्रतिनिधित्व हेतु कौन-सा ऐतिहासिक समझौता हस्ताक्षरित हुआ था? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: पूना पैक्ट (Poona Pact - 1932)
व्याख्या: 24 सितंबर 1932 को पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में महात्मा गांधी और डॉ. बी. आर. अंबेडकर के बीच 'पूना पैक्ट' (पूना समझौता) संपन्न हुआ था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री रामसे मैकडोनाल्ड द्वारा 16 अगस्त 1932 को घोषित 'सांप्रदायिक पंचाट' (Communal Award) में दलित वर्गों को हिंदुओं से अलग मानते हुए 'पृथक निर्वाचक मंडल' (Separate Electorates) दिया गया था। इसके विरोध में गांधी जी ने यरवदा जेल में आमरण अनशन शुरू किया। मदन मोहन मालवीय, सी. राजगोपालाचारी और डॉ. राजेंद्र प्रसाद की मध्यस्थता से हुए इस समझौते के तहत दलितों के लिए पृथक निर्वाचन की मांग त्याग दी गई और इसके बदले प्रांतीय विधानमंडलों में आरक्षित सीटों की संख्या 71 से बढ़ाकर 147 तथा केंद्रीय विधायिका में 18% कर दी गई।
संदर्भ: NCERT History Class 10 (भारत और समकालीन विश्व-2), Ch 2 "भारत में राष्ट्रवाद", p. 43–45;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और सुदूर संवेदन के माध्यम से फसल स्वास्थ्य निगरानी हेतु किस राष्ट्रीय डिजिटल मंच का विस्तार किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: डिजिटल कृषि मिशन (एग्री-स्टैक / AgriStack)
व्याख्या: सितंबर 2026 में भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा MeitY द्वारा 'डिजिटल कृषि मिशन' के तहत 'एग्री-स्टैक' (AgriStack) के डिजिटल फसल सर्वेक्षण (DCS) का देशव्यापी विस्तार किया गया। इसके अंतर्गत प्रत्येक किसान के लिए विशिष्ट 'किसान आईडी' (Farmer ID), भू-संदर्भित गांव के नक्शे और फसल बोआई का डिजिटल पंजीकरण उपग्रह इमेजरी व एआई एल्गोरिदम के माध्यम से वास्तविक समय में दर्ज किया जा रहा है। यह प्रणाली न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) खरीद, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) के त्वरित क्लेम निपटान और संस्थागत कृषि ऋण वितरण में बिचौलियों की भूमिका को समाप्त कर पारदर्शिता सुनिश्चित करती है।
संदर्भ: Ministry of Agriculture and Farmers Welfare Press Release September 2026;

प्र.3. भारतीय स्वाधीनता संग्राम की पृष्ठभूमि में ग्रामीण किसानों के स्वाभिमान, सामाजिक कुरीतियों और ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध जन-जागृति पर आधारित प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास 'सेवा सदन' (1919) के रचनाकार कौन हैं? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: मुंशी प्रेमचंद
व्याख्या: 'सेवा सदन' (1919) मुंशी प्रेमचंद द्वारा मूल रूप से उर्दू में 'बाजारे-हुस्न' नाम से लिखा गया और बाद में हिंदी में प्रकाशित प्रथम महत्वपूर्ण यथार्थवादी सामाजिक उपन्यास है। यह उपन्यास नारी जीवन की विवशताओं, दहेज प्रथा के सामाजिक दुष्परिणामों, अनमेल विवाह और वेश्यावृत्ति के उन्मूलन जैसे ज्वलंत मुद्दों पर केंद्रित है। मुख्य पात्र 'सुमन' के जीवन संघर्ष के माध्यम से प्रेमचंद ने तत्कालीन पुरुष-प्रधान सामंती समाज के पाखंड और संस्थागत भ्रष्टाचार को उजागर किया है। उपन्यास के अंत में 'सेवा सदन' नामक संस्था की स्थापना कर उपेक्षित और पतित महिलाओं को सम्मानजनक जीवन, व्यावसायिक शिक्षा और आत्मनिर्भरता की राह दिखाई गई है।
संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'सेवा सदन', हंस प्रकाशन/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य संदर्भ);

प्र.4. अत्यधिक औद्योगिक अपशिष्टों और कृषि रसायनों के कारण मिट्टी के क्षारीय अथवा अम्लीय होने पर उसकी उर्वरता बहाल करने हेतु क्रमशः किस खनिज और चूने का उपयोग किया जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: जिप्सम (क्षारीय मृदा हेतु); बुझा चूना (अम्लीय मृदा हेतु)
व्याख्या: मृदा का अत्यधिक अम्लीय (pH 5.5 से कम) या अत्यधिक क्षारीय (pH 8.5 से अधिक) होना पादपों के पोषण अवशोषण को बाधित करता है। जब अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों या अम्लीय वर्षा से मिट्टी अम्लीय हो जाती है, तो उसके उपचार हेतु 'बुझा चूना' (कैल्शियम हाइड्रोक्साइड - $Ca(OH)_2$) या 'चूना पत्थर' ($CaCO_3$) मिलाया जाता है, जो अतिरिक्त अम्लता को उदासीन करता है। इसके विपरीत, अधिक सिंचाई और जलभराव से उत्पन्न क्षारीय (सोडिक) मिट्टी के सुधार हेतु 'जिप्सम' (कैल्शियम सल्फेट डाइहाइड्रेट - $CaSO_4\cdot 2H_2O$) का प्रयोग किया जाता है। जिप्सम का कैल्शियम आयन मिट्टी के कणों से अतिरिक्त सोडियम आयनों को विस्थापित कर मिट्टी की जल-धारण क्षमता और संरचना को पुनर्जीवित करता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 2 "अम्ल, क्षारक एवं लवण", p. 29–31;

प्र.5. 1907 में जर्मनी के स्टटगार्ट में आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन' में पहली बार भारतीय स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में तिरंगा ध्वज फहराने वाली महान क्रांतिकारी वीरांगना कौन थीं? (इतिहास)
उत्तर: मैडम भीकाजी कामा ('क्रांति की माता')
व्याख्या: मैडम भीकाजी रुस्तम कामा (24 सितंबर 1861 – 13 अगस्त 1936) भारतीय स्वाधीनता संग्राम की अग्रणी क्रांतिकारी थीं, जिन्हें 'भारतीय क्रांति की जननी' (Mother of Indian Revolution) कहा जाता है। उन्होंने 22 अगस्त 1907 को जर्मनी के स्टटगार्ट शहर में आयोजित 7वीं अंतरराष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस में ब्रिटिश शासन के अत्याचारों और भारत में आए विनाशकारी अकाल का पर्दाफाश करते हुए भारत का पहला राष्ट्रीय ध्वज (सप्तऋषि और 'वंदे मातरम्' अंकित तिरंगा) गर्व से फहराया था। उन्होंने लंदन और पेरिस में रहकर श्यामजी कृष्ण वर्मा और वीर सावरकर के साथ 'अभिनव भारत' और 'इंडियन होमरूल सोसाइटी' के माध्यम से क्रांतिकारियों को हथियार, साहित्य और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई थी।
संदर्भ: NCERT History Class 10 (भारत और समकालीन विश्व-2), Ch 2 "भारत में राष्ट्रवाद संदर्भ";

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक के तटीय मैदानों को भौगोलिक रूप से किस नाम से जाना जाता है, जो पश्चिमी घाट और अरब सागर के मध्य एक संकीर्ण पट्टी के रूप में स्थित है? (भूगोल)
उत्तर: कोंकण तट (Konkan Coast)
व्याख्या: भारत के पश्चिमी तटीय मैदान को उत्तर से दक्षिण की ओर तीन मुख्य भागों में वर्गीकृत किया गया है: (1) उत्तरी भाग जो दमन और महाराष्ट्र से लेकर गोवा तक विस्तृत है, उसे 'कोंकण तट' कहा जाता है; (2) मध्य भाग जो कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में स्थित है, उसे 'कन्नड़/केनरा तट' कहा जाता है; (3) दक्षिणी भाग जो केरल राज्य में विस्तृत है, उसे 'मालाबार तट' कहा जाता है (जहाँ कयाल और लैगून पाए जाते हैं)। कोंकण तट संकीर्ण, चट्टानी और अनेक प्राकृतिक बंदरगाहों (जैसे मुंबई और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट) से युक्त है। इस तटीय क्षेत्र में कोंकण रेलवे का नेटवर्क पश्चिमी घाट की नदियों और सुरंगों को पार करते हुए उत्कृष्ट इंजीनियरिंग का उदाहरण प्रस्तुत करता है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 13–

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद यह स्पष्ट प्रावधान करता है कि उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) द्वारा घोषित विधि भारत के राज्यक्षेत्र के भीतर सभी न्यायालयों पर बाध्यकारी होगी? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 141 (Law declared by Supreme Court)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-V में केंद्रीय न्यायपालिका के अंतर्गत 'अनुच्छेद 141' देश में एकीकृत न्यायिक व्यवस्था और विधि की एकरूपता को सुदृढ़ करता है। इसके अनुसार, "उच्चतम न्यायालय द्वारा घोषित विधि भारत के राज्यक्षेत्र के भीतर सभी न्यायालयों पर आबद्धकर (बाध्यकारी) होगी।" इसका तात्पर्य है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए विधिक सिद्धांत, व्याख्याएं और नज़ीरें (Precedents) देश के सभी उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों और अधीनस्थ न्यायाधिकरणों के लिए बाध्यकारी कानून बन जाती हैं। यह 'स्टेयर डिसाइसिस' (Stare Decisis - पूर्व निर्णयों का आदर करने) के न्यायिक सिद्धांत को संवैधानिक अधिदेश प्रदान करता है।
संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 141; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 6 "न्यायपालिका", p. 132–136;

प्र.8. वाहनों में लगे स्पीडोमीटर द्वारा वाहन की तात्कालिक चाल किस इकाई में मापी जाती है और उसके द्वारा तय की गई कुल दूरी मापने वाले उपकरण को क्या कहा जाता है? (विज्ञान)
उत्तर: किमी/घंटा (km/h); ओडोमीटर (पथमापी / Odometer)
व्याख्या: स्वचालित वाहनों (कार, बस, मोटरसाइकिल) के डैशबोर्ड पर गति और दूरी की निगरानी हेतु दो प्रमुख यंत्र लगे होते हैं: (1) 'स्पीडोमीटर' (चालमापी) — यह वाहन की किसी विशिष्ट क्षण पर तात्क्षणिक चाल (Instantaneous Speed) को सीधे 'किलोमीटर प्रति घंटा' (km/h) में दर्शाता है; (2) 'ओडोमीटर' (पथमापी) — यह एक अंकीय या डिजिटल मीटर होता है जो वाहन द्वारा यात्रा के दौरान तय की गई कुल संचयी दूरी (Total Distance) को किलोमीटर में रिकॉर्ड करता है। ये दोनों यंत्र भौतिकी के 'गति' अध्याय के अंतर्गत चाल, समय और दूरी के व्यावहारिक मापन का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।
संदर्भ: NCERT Science Class 9, Ch 8 "गति" (Motion), p. 112–115;

प्र.9. कर्नाटक के बेलूर और हलेबिडू में 12वीं शताब्दी में सोपस्टोन (क्लोराइट शिस्ट) को तराशकर तारों के आकार (Stellate Plan) के चबूतरे पर बनाए गए किस राजवंश के मंदिर यूनेस्को धरोहर घोषित किए गए हैं? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: होयसल राजवंश (Hoysala Architecture)
व्याख्या: होयसल स्थापत्य शैली 11वीं से 14वीं शताब्दी के मध्य कर्नाटक के दक्षिणी भाग में विकसित हुई एक अद्वितीय और अलंकृत मंदिर निर्माण शैली है, जो नागर और द्रविड़ शैलियों के तत्वों को मिलाकर बनी 'वेसर शैली' का चरम रूप है। इसके सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बेलूर का 'चेन्नाकेशव मंदिर', हलेबिडू का 'होयसलेश्वर मंदिर' और सोमनाथपुरा का 'केशव मंदिर' हैं। इन मंदिरों की मुख्य विशेषता इनका तारा-आकार का आधार (Stellate Ground Plan), अत्यंत नरम सोपस्टोन (Soapstone) पर की गई बारीक और जटिल नक्काशी, तथा दीवारों पर पौराणिक कथाओं, नर्तकियों (मदनिका) और हाथियों की पट्टिकाएं हैं। वर्ष 2023 में होयसल के इन पवित्र मंदिर समूहों को भारत के 42वें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 84–88;

प्र.10. 1930 के सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान बिहार के सारण, चंपारण और पटना में समुद्र तट न होने के कारण नमक सत्याग्रह के साथ-साथ कौन-सा विशाल कर-बंदी आंदोलन चलाया गया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: चौकीदारी कर बंदी आंदोलन (No-Chowkidari Tax Campaign)
व्याख्या: 1930 में महात्मा गांधी के दांडी मार्च के बाद जब पूरे देश में सविनय अवज्ञा आंदोलन फैला, तो बिहार एक भू-आबद्ध (Landlocked) राज्य होने के कारण यहाँ के सत्याग्रहियों ने नमकीन मिट्टी से प्रतीकात्मक नमक बनाकर कानून तोड़ा। परंतु बिहार में आंदोलन का सबसे प्रभावी और तीव्र रूप 'चौकीदारी कर बंदी आंदोलन' के रूप में सामने आया। ग्रामीण चौकीदार ब्रिटिश औपनिवेशिक पुलिस के गुप्तचर के रूप में कार्य करते थे और ग्रामीणों पर ही उनके वेतन हेतु कर वसूला जाता था। सारण, चंपारण, मुंगेर, भागलपुर और पटना में किसानों ने यह कर देने से साफ इंकार कर दिया। ब्रिटिश दमन और संपत्ति कुर्की के बावजूद जनता अडिग रही और सैकड़ों ग्राम पंचायतों के चौकीदारों व दफादारों ने त्यागपत्र दे दिए।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 9 "राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन", p. 118–121;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W3 – भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार यदि भूकंप के समय कोई व्यक्ति चारदीवारी या पक्के भवन के भीतर न होकर खुले मैदान में वाहन (कार/बस) चला रहा हो, तो उसे तत्काल क्या कदम उठाने चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: वाहन को सुरक्षित किनारे रोकें; फ्लाईओवर, बिजली के खंभों व पेड़ों से दूर रहें

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W3: भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार, सड़क पर चलते समय भूकंप के झटके महसूस होने पर वाहन चालकों हेतु मानक जीवन-रक्षक दिशानिर्देश निर्धारित हैं: (1) भूकंप का कंपन महसूस होते ही घबराकर अचानक तेज ब्रेक न लगाएं, बल्कि वाहन की गति धीमी करते हुए उसे सड़क के बाईं ओर सुरक्षित किनारे पर रोक दें; (2) वाहन को कभी भी फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, अंडरपास, बिजली के भारी तारों, ट्रांसफार्मर, बड़े होर्डिंग्स या कमजोर इमारतों के नीचे न रोकें; (3) भूकंप के झटके पूरी तरह रुकने तक वाहन के भीतर ही बैठे रहें क्योंकि वाहन की धातुई छत और शॉक-एब्जॉर्बर बाहरी मलबे से सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं; (4) कंपन समाप्त होने के उपरांत सड़क पर दरारों, टूटे पुलों या भूस्खलन की स्थिति की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद ही आगे बढ़ें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W3 — "भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी";

प्र.12. एक समकोण त्रिभुज का क्षेत्रफल 30 वर्ग सेमी है तथा उसका आधार 12 सेमी है। बताइए उस त्रिभुज का कर्ण (Hypotenuse) कितने सेंटीमीटर लंबा होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 13 सेंटीमीटर

व्याख्या: यह त्रिभुज के क्षेत्रफल और पाइथागोरस प्रमेय पर आधारित एक मानक रेखागणितीय प्रश्न है।
समकोण त्रिभुज के क्षेत्रफल का सूत्र: क्षेत्रफल = (1/2) * आधार * लम्ब (ऊंचाई)।
यहाँ दिया गया है: क्षेत्रफल = 30 वर्ग सेमी, आधार (b) = 12 सेमी।, 30 = (1/2) * 12 * लम्ब, 30 = 6 * लम्ब, लम्ब = 30 / 6 = 5 सेमी।, अब, समकोण त्रिभुज में कर्ण (Hypotenuse) ज्ञात करने हेतु पाइथागोरस प्रमेय का उपयोग करते हैं:, कर्ण^2 = आधार^2 + लम्ब^2, कर्ण^2 = 12^2 + 5^2, कर्ण^2 = 144 + 25 = 169, कर्ण = वर्गमूल(169) = 13 सेमी।,
अतः उस समकोण त्रिभुज का कर्ण ठीक 13 सेंटीमीटर लंबा होगा।
(जाँच: 5, 12 और 13 एक मानक पाइथागोरियन त्रिक (Pythagorean Triplet) हैं: 5^2 + 12^2 = 25 + 144 = 169 =

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

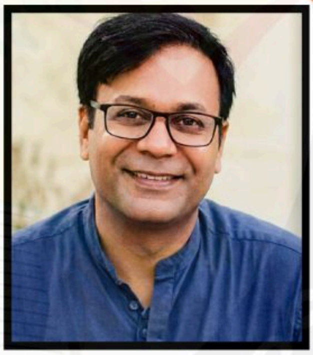

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Abstemious (ऐब्स्टीमियस) = Temperate (टेम्परेट) = संयमी / मिताहारी
   Antonym – Indulgent (इन्डल्जेन्ट) = भोग-विलास में लिप्त / असंयमी
2. Coercive (कोअर्सिव) = Compelling (कम्पेलिंग) = बलपूर्वक / दबाव डालने वाला
   Antonym – Voluntary (वॉलन्टरी) = स्वैच्छिक / अपनी इच्छा से किया गया
3. Duplicity (ड्यूप्लिसिटी) = Deceitfulness (डिसीटफुलनेस) = कपट / छल-कपट
   Antonym – Sincerity (सिन्सेरिटी) = ईमानदारी / निष्कपटता
4. Gregarious (ग्रिगेरियस) = Sociable (सोशेबल) = मिलनसार / सामाजिक
   Antonym – Solitary (सॉलिटरी) = एकाकी / अकेला
5. Insidious (इन्सिडियस) = Treacherous (ट्रेचरस) = कपटपूर्ण / छिपकर नुकसान पहुँचाने वाला
   Antonym – Forthright (फॉर्थराइट) = स्पष्टवादी / साफ-साफ कहने वाला

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Lok Sabha passes Autism Bill 2026; establishes National Autism Council for research, education and employment support
हिन्दी अनुवाद: लोक सभा ने ऑटिज्म विधेयक 2026 पारित किया; राष्ट्रीय ऑटिज्म परिषद की स्थापना अनुसंधान, शिक्षा और रोजगार समर्थन के लिए।
लोक सभा ने ऑटिज्म विधेयक 2026 को पारित कर दिया है जो ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) वाले व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय ऑटिज्म परिषद की स्थापना करता है। यह परिषद अनुसंधान, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार समर्थन प्रदान करेगी। विधेयक को अब राज्य सभा में पेश किया जाएगा। UPSC/BPSC के लिए: Autism Spectrum Disorder — ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर; National Autism Council — राष्ट्रीय ऑटिज्म परिषद; Rights of Persons with Disabilities Act 2016 — विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम।

India's first underwater metro tunnel in Mumbai becomes operational; connects Colaba to SEEPZ in 58 minutes
हिन्दी अनुवाद: मुंबई में भारत की पहली अंडरवाटर मेट्रो सुरंग संचालन में आई; कोलाबा को SEEPZ से 58 मिनट में जोड़ती है।
मुंबई मेट्रो लाइन 3 की अंडरवाटर सुरंग आधिकारिक तौर पर संचालन में आ गई है। यह भारत की पहली अंडरवाटर मेट्रो सुरंग है जो अरब सागर के नीचे से गुजरती है। यह सुरंग कोलाबा को SEEPZ (सांताक्रुज इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन) से 58 मिनट में जोड़ती है। इस परियोजना पर 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आया है। UPSC/BPSC के लिए: Mumbai Metro Line 3 — मुंबई मेट्रो लाइन 3; underwater tunnel — अंडरवाटर सुरंग; MMRC — मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन।

Sonu Sood meets Bihar CM Samrat Choudhary; contributes to flood relief efforts in 15 districts
हिन्दी अनुवाद: सोनू सूद ने बिहार CM सम्राट चौधरी से मुलाकात की; 15 जिलों में बाढ़ राहत प्रयासों में योगदान दिया।�
अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता सोनू सूद ने पटना में लोक निवास पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की और बाढ़ राहत प्रयासों में योगदान दिया। सोनू सूद की टीम बेगूसराय और अन्य प्रभावित जिलों में नावों के माध्यम से राहत सामग्री वितरित कर रही है। राज्य आपदा प्रबंधन बल के अनुसार 15 जिलों, 88 ब्लॉकों और 576 ग्राम पंचायतों में लगभग 49.72 लाख लोग प्रभावित हैं। UPSC/BPSC के लिए: SDRF — राज्य आपदा मोचन बल; NDRF — राष्ट्रीय आपदा मोचन बल; CM Relief Fund — मुख्यमंत्री राहत कोष।

INTERNATIONAL NEWS

US and Iran hold first shuttle talks in months at UNGA; Trump says 'very good' meeting, warns of 'annihilation' if no deal
हिन्दी अनुवाद: US और ईरान ने UNGA में महीनों बाद पहली शटल वार्ता की; ट्रम्प ने 'बहुत अच्छी' बैठक कही, सौदा नहीं हुआ तो 'विनाश' की चेतावनी दी।�
संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के मार्जिन पर संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच महीनों बाद पहली शटल वार्ता हुई। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकोफ और जेरेड कुशनर ने मध्यस्थों के माध्यम से ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची से बात की। ट्रम्प ने कहा कि यह तीन घंटे की "बहुत अच्छी" बैठक थी, लेकिन चेतावनी दी कि यदि सौदा नहीं हुआ तो ईरान का "विनाश" हो सकता है। ईरान ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य को सात दिनों में खोलने की पेशकश की है यदि US सैन्य दबाव कम करता है। UPSC/BPSC के लिए: UNGA — संयुक्त राष्ट्र महासभा; Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; JCPOA — 2015 का ईरान परमाणु समझौता।

Iran sets out four conditions for ending war: end to US attacks, lift naval blockade, release frozen assets, end war on 'resistance' fronts
हिन्दी अनुवाद: ईरान ने युद्ध समाप्त करने के लिए चार शर्तें रखीं: US हमलों का अंत, नौसैनिक नाकाबंदी हटाना, जब्त संपत्ति रिहा करना, 'प्रतिरोध' मोर्चों पर युद्ध समाप्त करना।
ईरान ने न्यूयॉर्क में अप्रत्यक्ष वार्ता के दौरान युद्ध समाप्त करने के लिए चार औपचारिक शर्तें रखी हैं: (1) सभी मोर्चों पर युद्ध का अंत, (2) US की "आक्रामक कार्रवाइयों" का अंत, (3) नौसैनिक नाकाबंदी और आर्थिक युद्ध का अंत, और (4) जब्त ईरानी संपत्ति की रिहाई। ईरान ने कहा कि वह होर्मुज़ जलडमरूमध्य को सात दिनों के भीतर फिर से खोल सकता है यदि US सैन्य दबाव कम करता है। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; US sanctions — अमेरिकी प्रतिबंध; Nuclear deal — परमाणु समझौता।

US sanctions on Iranian airlines take effect from September 23; all Iranian carriers shut out of international operations
हिन्दी अनुवाद: 23 सितंबर से ईरानी एयरलाइंस पर US प्रतिबंध प्रभावी; सभी ईरानी वाहक अंतरराष्ट्रीय संचालन से बाहर।�
US ट्रेजरी विभाग ने 23 सितंबर से सभी ईरानी एयरलाइंसों को अंतरराष्ट्रीय संचालन से बाहर कर दिया है। US ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कंपनियों को ईरानी वाहकों को सेवाएं प्रदान न करने की चेतावनी दी। इसके जवाब में ईरान ने बगदाद और मस्कत के लिए उड़ानें रद्द कर दी हैं। यह कदम US-ईरान तनाव को और बढ़ा रहा है। UPSC/BPSC के लिए: US Treasury — अमेरिकी ट्रेजरी विभाग; OFAC — विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय; International aviation — अंतरराष्ट्रीय विमानन।

BIHAR NEWS

Bihar floods: 49.72 lakh affected across 15 districts; Sonu Sood contributes to relief efforts, meets CM Samrat Choudhary
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 15 जिलों में 49.72 लाख प्रभावित; सोनू सूद ने राहत प्रयासों में योगदान दिया, CM सम्राट चौधरी से मुलाकात की।
बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। 15 जिलों, 88 ब्लॉकों और 576 ग्राम पंचायतों में लगभग 49.72 लाख लोग प्रभावित हैं। अभिनेता सोनू सूद ने पटना में CM सम्राट चौधरी से मुलाकात की और बाढ़ राहत प्रयासों में योगदान दिया। उनकी टीम नावों के माध्यम से बेगूसराय और अन्य प्रभावित जिलों में राहत सामग्री वितरित कर रही है। 50 सामुदायिक रसोई और 13 राहत शिविर चलाए गए हैं। UPSC/BPSC के लिए: CWC — केंद्रीय जल आयोग; HFL — Highest Flood Level; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

Bihar received less than 30% rainfall this year but still facing flood due to heavy rains in Nepal, Jharkhand, UP: CM
हिन्दी अनुवाद: बिहार को इस वर्ष 30% से कम वर्षा मिली लेकिन नेपाल, झारखंड, UP में भारी बारिश के कारण बाढ़ का सामना: CM।
मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार को इस वर्ष 30% से कम वर्षा मिली है, लेकिन पड़ोसी राज्यों और नेपाल में भारी बारिश के कारण राज्य बाढ़ से जूझ रहा है। गंगा, सोन और गंडक नदियों का जलस्तर पड़ोसी राज्यों और नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण बढ़ा है। CM ने जिला अधिकारियों को दुर्गा पूजा से पहले बाढ़ से हुए नुकसान की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। UPSC/BPSC के लिए: CWC — केंद्रीय जल आयोग; Flood management — बाढ़ प्रबंधन; Inter-state rivers — अंतर-राज्य नदियां।

SPORTS NEWS

Asian Games 2026: India's medal tally reaches 11 (1 gold, 5 silver, 5 bronze); Mirabai Chanu wins historic silver in weightlifting
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: भारत का पदक tally 11 पहुंचा (1 स्वर्ण, 5 रजत, 5 कांस्य); मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग में ऐतिहासिक रजत जीता।
भारत ने एशियाई खेल 2026 में अब तक 11 पदक जीते हैं — 1 स्वर्ण, 5 रजत और 5 कांस्य। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने महिलाओं के 49 किग्रा वेटलिफ्टिंग में रजत पदक जीता। उन्होंने कुल 198 किग्रा (87 किग्रा स्नैच + 111 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाया। यह उनका पहला एशियाई खेल पदक है। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games — एशियाई खेल, चार साल में एक बार; Weightlifting — भारोत्तोलन; Commonwealth Games — राष्ट्रमंडल खेल।

Asian Games 2026: Shooting teams win 2 bronze medals in skeet events; India now has 7 shooting medals
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: शूटिंग टीमों ने स्कीट इवेंट्स में 2 कांस्य पदक जीते; भारत के पास अब 7 शूटिंग पदक हैं।
भारत ने शूटिंग में दो कांस्य पदक जीते। महिला स्कीट टीम (राइजा ढिल्लन, परिनाज धालीवाल, महेश्वरी चौहान) और पुरुष स्कीट टीम (अनंतजीत सिंह नरुका, मिराज अहमद खान, भवतेज सिंह गिल) ने कांस्य पदक जीते। भारत के पास अब शूटिंग में कुल 7 पदक हैं (4 रजत, 3 कांस्य)। UPSC/BPSC के लिए: ISSF — अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स महासंघ; Skeet shooting — स्कीट शूटिंग; Asian Games — एशियाई खेल।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

आज का विचार:

जो भी कार्य आपके हाथ में हो, उसमें अपनी पूरी कुशलता, ईमानदारी और सहजता उंडेल दीजिए। जब काम तनाव के बजाय साधना बन जाता है, तो सफलता स्वाभाविक रूप से पीछे-पीछे आती है। (गीता -2/50)

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

बहती हुई धारा

ऊँचे पहाड़ों की गोद से निकली एक नन्हीं जलधारा अपनी ही उमंग में कल-कल करती आगे बढ़ रही थी। उसका लक्ष्य दूर स्थित विशाल सागर से मिलना था।

मार्ग में अचानक एक विशालकाय चट्टान सीना ताने आकर खड़ी हो गई। उसने घमंड से धारा से कहा, "ठहर जाओ! सदियों से आँधी-तूफान भी मेरा बाल बाँका नहीं कर सके। तुम जैसी कोमल और पतली धारा मेरे सामने तिनके बराबर है। तुम मुझसे टकराकर मिट जाओगी।"

धारा ने भारी-भरकम चट्टान से कोई व्यर्थ विवाद नहीं किया। वह न तो घबराई और न ही क्रोध में उससे सीधे टकराई। उसने अपनी गति थोड़ी धीमी की, विनम्रता से मुस्कुराई और चुपचाप चट्टान के किनारे से होकर एक नया मोड़ ले लिया।

चट्टान अपनी जगह अड़ी रही और धारा आगे निकल गई। रास्ते में कई कँटीली झाड़ियाँ, सूखे मैदान और गड्ढे आए। जहाँ ढलान मिली, वहाँ वह तेजी से दौड़ी; जहाँ रुकावट आई, वहाँ उसने घूमकर नया रास्ता बना लिया। बहते-बहते उसका लचीलापन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत बन गया।

उधर, अपनी जगह पर अकड़ी खड़ी चट्टान समय की मार, धूप और मूसलाधार बारिश झेलते-झेलते अंततः चटककर टुकड़ों में बिखर गई। लेकिन वह कोमल धारा अपनी सतत यात्रा जारी रखते हुए एक दिन विशाल समुद्र की गोद में समा गई।

प्रेरक सीख:

ज़िंदगी में हठ और कठोरता व्यक्ति को अंततः तोड़ देती है, जबकि मुश्किल परिस्थितियों में शांत रहकर खुद को ढालने वाला और निरंतर आगे बढ़ने वाला इंसान अपनी मंज़िल ज़रूर हासिल करता है।

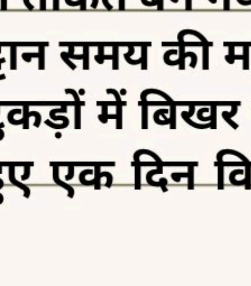

................✍️

मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

TEACHERS OF BIHAR ★ THE CHANGE MAKERS

आज का सु-डू-कु

स्तर: कठिन | भाग-5

सोचो... समझो... हल करो...

	6			8				
7								
2		3	1		7		6	
				9				4
			6	7			9	
	9	8	4			5	7	6
6								
			7	1		8	5	
		9			4			

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।"

— कबीरदास

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

9	6	5	3	8	2	7	4	1
7	4	1	5	6	9	2	8	3
2	8	3	1	4	7	9	6	5
5	7	6	8	9	3	1	2	4
1	2	4	6	7	5	3	9	8
3	9	8	4	2	1	5	7	6
6	1	7	9	5	8	4	3	2
4	3	2	7	1	6	8	5	9
8	5	9	2	3	4	6	1	7

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता!

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 2, श्लोक 50

बुद्धियुक्तो जहातीह उभे सुकृतदुष्कृते।

तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम्॥

सरल हिन्दी अर्थ:

समत्व बुद्धि (स्थिर मानसिक संतुलन) से युक्त व्यक्ति इसी जीवन में पुण्य और पाप (अच्छे और बुरे फल के बंधन) दोनों से मुक्त हो जाता है। इसलिए तुम इस समत्व रूपी योग में लग जाओ; क्योंकि कर्मों में कुशलता (कुशलतापूर्वक कर्म करना) ही वास्तव में 'योग' है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ कर्म की सर्वोच्च परिभाषा देते हैं—"योगः कर्मसु कौशलम्"। कुशलता केवल हाथ की कारीगरी या तकनीकी दक्षता नहीं है, बल्कि काम को इस तरह करने की कला है कि काम का बोझ, तनाव और मानसिक थकान मन पर हावी न हो।

- दक्षता और मानसिक शांति का संतुलन: जब आप किसी काम में 100% तल्लीन होकर, बिना किसी पूर्वाग्रह, ईर्ष्या या भय के जुटते हैं, तो काम बोझ नहीं बल्कि आनंद बन जाता है। यही कर्म कौशल है।
- सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों से परे: काम करते समय तारीफ पाने की भूख या आलोचना का भय—ये दोनों ही मन को भटकाते हैं। समबुद्धि व्यक्ति काम को उच्चतम गुणवत्ता के साथ करता है, प्रशंसा या निंदा को अपने ऊपर हावी नहीं होने देता।

CHAMPARAN GYANAGRAH

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव — सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026
बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण ... संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, ... संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्" अनुभाग-9

अमर बलिदानी: शिवराम हरि राजगुरु

प्यारे बच्चों, पिछली कहानियों में हमने भगत सिंह और सुखदेव की बहादुरी के किस्से सुने। आज हम उसी अमर तिकड़ी के तीसरे सबसे जाँबाज़ और फुर्तीले साथी की कहानी सुनेंगे, जिनका निशाना इतना पक्का था कि हवा में उड़ती चीज़ को भी वे एक झटके में भेद देते थे। वे थे अमर क्रांतिकारी शिवराम हरि राजगुरु! राजगुरु का जन्म 24 अगस्त 1908 को महाराष्ट्र के पुणे ज़िले के खेड़ा गाँव (जिसे आज उनके सम्मान में 'राजगुरुनगर' कहा जाता है) के एक धर्मनिष्ठ ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री हरिनारायण राजगुरु और माता का नाम श्रीमती पार्वती बाई था। जब राजगुरु केवल छह वर्ष के थे, तभी उनके पिता का देहांत हो गया। इसके बाद उनके बड़े भाई दिनकर राव ने उनका पालन-पोषण किया।

नन्हे राजगुरु बचपन से ही बड़े नटखट, हठी, साहसी और गज़ब के कसरती बालक थे। उन्हें बंद कमरे में अंग्रेज़ी पढ़ना बिल्कुल पसंद नहीं था, बल्कि उन्हें नदी में तैरने, कुश्ती लड़ने और छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरगाथाएँ सुनने में बहुत मज़ा आता था। एक बार जब उनके बड़े भाई ने उन्हें अंग्रेज़ी का पाठ याद न करने पर डाँटा, तो स्वाभिमानी राजगुरु केवल ग्यारह वर्ष की उम्र में घर से भागकर धर्मनगरी वाराणसी पहुँच गए। वहाँ अहिल्याबाई घाट पर उन्होंने संस्कृत साहित्य और व्याकरण का गहरा अध्ययन किया और लघुसिद्धांत कौमुदी को कंठस्थ कर लिया। वाराणसी में अखाड़े में कुश्ती लड़ते-लड़ते वे 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' के संपर्क में आए और चंद्रशेखर आज़ाद के प्रिय साथी बन गए। दल में सभी उन्हें प्यार से 'रघुनाथ' पुकारते थे।

राजगुरु बंदूक चलाने में इतने माहिर थे कि वे पूरे क्रांतिकारी संगठन के मुख्य निशानेबाज़ (शार्पशूटर) माने जाते थे। उनका शरीर इतना मजबूत था कि वे बर्फ जैसी ठंडी रात में भी बिना चादर के खुले आसमान नीचे सो जाते थे ताकि देशसेवा के कठिन दिनों के लिए खुद को तैयार कर सकें। जब लाला लाजपत राय जी पर लाठीचार्ज करने वाले अंग्रेज़ अफसर सांडर्स को सबक सिखाने की योजना बनी, तो 17 दिसंबर 1928 को लाहौर में सबसे पहली गोली राजगुरु की पिस्तौल से ही निकली थी। इसके बाद वे चंद्रशेखर आज़ाद और भगत सिंह के साथ बड़ी होशियारी से लाहौर से निकल गए।

बाद में वे नागपुर में क्रांतिकारी दल को संगठित करने पहुँचे, जहाँ 30 सितंबर 1929 को एक गद्दार की मुखबिरी के कारण अंग्रेज़ पुलिस ने उन्हें सोते हुए घेरकर गिरफ्तार कर लिया। जेल में अंग्रेज़ पुलिस ने राजगुरु पर बेइंतहा ज़ुल्म ढहाए, पर यह वीर मुस्कुराता रहा और उसने अपने साथियों का एक भी राज़ नहीं खोला। 23 मार्च 1931 की शाम लाहौर सेंट्रल जेल में महज़ 22 साल की कच्ची उम्र में वे भगत सिंह और सुखदेव का हाथ थामे 'इंक़लाब ज़िंदाबाद' के नारे लगाते हुए हँसते-हँसते फाँसी के फंदे पर झूल गए। प्यारे बच्चों, वीर राजगुरु का जीवन हमें सिखाता है कि अपने शरीर और मन को हमेशा मजबूत बनाओ, अपने स्वाभिमान की रक्षा करो और अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए बिना डरे सदा आगे बढ़ो।

............✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

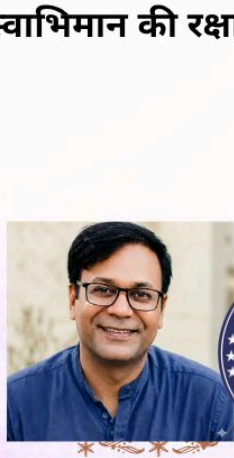

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

आज का विचार:

जो भी कार्य आपके हाथ में हो, उसमें अपनी पूरी कुशलता, ईमानदारी और सहजता उंडेल दीजिए। जब काम तनाव के बजाय साधना बन जाता है, तो सफलता स्वाभाविक रूप से पीछे-पीछे आती है।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org